पाठ्य परिचय(Handout) भारतजनताऽहम् 1

प्रस्तुत कविता आधुनिक कविकुलशिरोमणि डॉ० रमाकान्त शुक्ल द्वारा रचित काव्य 'भारतजनताऽहम्' से साभार उद्धृत है। इस कविता में कवि भारतीय जनता के सरोकारों, विविध कौशलों, विविध रुचियों आदि का उल्लेख करते हुए बताते हैं कि भारतीय जनता स्वाभिमान रूपी धन वाली, विनम्रता से परिपूर्ण, अच्छे स्वभाव वाली वज्र से भी कठोर, फूल से भी अधिक कोमल,सारे संसार में निवास करनेवाली, पूरी धरती को परिवार मानने वाली,विवेकशीला,विज्ञान रूपी धन वाली, ज्ञान रूपी धन वाली,साहित्य, कला और संगीत में निपुण, अध्यात्म रूपी अमृतमयी नदी में स्नान करने से पूर्ण पवित्र भारत है। उसके गीतों, काव्यों और नृत्यों से सारा संसार मोहित है।